



B S N L Employees Union

M.P. Circle, BHOPAL

(Regd. No. 4896)

(The Only Recognised union in BSNL)

OFFICE: 1195, Lal Kothi, Near Brij Sweets, Shahi Naka Road, Gulauatal, Garha, JABALPUR, (MP)

Phone:- 0761-2425789

Website:- www.bsnleump.org

Mobile:- 94251 24499

Circle Secretary

Email: srnayak68@yahoo.in

Circle President

S.R.Nayak

B.S.Raghuwanshi

क्रमांक: बीएसएनएलईयू एमपी/

दिनांक 14-11-2011

फ्लेश न्यूज

आई टी एस प्रकरण – कल, आज और कल

मीडिया के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिर्फ 11 आई.टी.एस. अधिकारियों को छोड़कर बाकी सभी ने अपने आप्शन फार्म में “अलबिदा बी एस एन एल” कह दिया है। अर्थात् सभी आई.टी.एस. अधिकारियों ने अपने पेरेंट विभाग डी.ओ. टी. में ही जाने का विकल्प चुना है।

यह बात सही है कि आज कम्पनी (BSNL) आर्थिक मोर्चे पर बुरे दिन देख रही है। यह बात भी सही है कि कम्पनी बनने की तारीख से इसे अलबिदा कहने वाले आई.टी.एस. अधिकारी ही इसके कर्ता-धर्ता और कर्णधार रहे हैं। कम्पनी की आज की स्थिति के लिए क्या आई.टी.एस. अधिकारी अपनी विगत ग्यारह सालों की भूमिका की समीक्षा करेंगे? हमारा सोचना है कि उन्हें करना चाहिये।

दूसरा, एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी आई.टी.एस. अधिकारियों को हल करना है। सबने एक साथ फैसला करके कम्पनी को अलबिदा तो कह दिया, किन्तु इसके बाद? एक आंकलन के अनुसार, यदि सभी आई.टी.एस. अधिकारियों को रिलीव करके दिल्ली भेजा जाता है तो सरकार को लगभग 100 करोड़ रुपये इनके टी.ए.-डी.ए. पर व्यय करना होंगे। इसके बाद जब तक कहीं और इनकी पोस्टिंग नहीं होती तब तक लगभग 20-25 करोड़ रुपये मासिक वेतन के रूप में पेमेन्ट करना होंगे। और सबसे बड़ी बात तो यह है कि, केन्द्र सरकार की नीतिगत दिशा इस प्रकार की है ही नहीं कि, इन 1500 से अधिक आई.टी.एस. अधिकारियों को कहीं और खपाया जा सके।

इसलिए हमारा मानना है कि, हमारे आई.टी.एस. अधिकारियों ने विगत ग्यारह सालों में ऐसी कोई महत्वपूर्ण पहल की ही नहीं है जो कम्पनी को आर्थिक रूप से पंगु बनाने से रोकने के लिए आवश्यक थी। अतः बड़ी बात न होगी कि दो विश्वों (सरकार और कम्पनी) का एक साथ सुख भोगने वाले हमारे आई.टी.एस. अधिकारी अपनी दुर्दशा की कहानी स्वयं लिखें वशर्ते कि वो और सरकार मिलकर कम्पनी के विषय में कोई नया खेल न खेल रहे हों।